

## गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता विचार मंथन

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम 1 सितम्बर से 15 सितम्बर 2018 तक चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 14 सितम्बर 2018 को विश्वविद्यालय स्तर पर स्वच्छता विचार मंथन का आयोजन रजत जयंती सभागार के हॉल संख्या 1 में किया गया। जिसकी मुख्य अतिथि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर अंजिला गुप्ता रही। उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत गुरु घासीदास बाबा और माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और पूजा अर्चना के साथ किया उनके ही साथ गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार ने भी पूजा अर्चना की। स्वागतीय उद्बोधन स्वच्छता पखवारा के नोडल ऑफिसर डॉ. सुजीत कुमार द्वारा दिया गया इसके साथ ही उन्होंने स्वच्छता पखवारा का प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया और बताया कि स्वच्छता पखवारा के अंतर्गत गुरु घासीदास विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता से सम्बन्धित कई गतिविधिया की गयी जिसमे सम्पूर्ण परिसर में स्वच्छता अवेयरनेस ड्राइव, नुक्कड़ नाटक, शैक्षणिक विभागों में स्वच्छता अवेयरनेस, स्वच्छता शपथ एवं हरित परिसर हेतु वृक्षारोपण का कार्यक्रम, कैंपस क्लीनिंग ड्राइव, स्क्रीनिंग ऑफ शार्ट फिल्मस, स्वच्छता अभियान एवं भारत निर्माण विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं department स्तर पर स्वच्छता जागरूकता आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसमें एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों ने स्वच्छता कार्यक्रम अपना अहम योगदान दिया। स्वागत उद्बोधन के पश्चात् सभी अध्ययनशालाओ के अधिष्ठाता स्वच्छता विषय पर विचार व्यक्त किये। जीवन विज्ञान की अधिष्ठाता डॉ. रेनू भट्ट ने कहा कि स्वच्छता के साथ साथ हमारे अंदर नैतिक एवं स्वास्थ्य मूल्यों का विकास होना जरूरी है। 2014 से अब तक इस अभियान से लगभग 12 करोड़ लोग जागरूक हुए है। गणितीय एवं संगणक अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रोफेसर ए.एस.रणदिवे ने कहा कि स्वच्छता के लिए कार्य योजना का बनाया जाना तथा कार्यों के अभिकरण के बीच के रिक्त को भरा जाना जरूरी है। कला अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रोफेसर मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छता हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है इसलिए हमे पहले अपने मन, घर और परिवेश को स्वच्छ करना होगा। समाज विज्ञान अध्ययनशाला की अधिष्ठाता प्रोफेसर अनुपमा सक्सेना ने कहा कि भविष्य में ई- कामर्स से उत्पन्न समस्या का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने उदारहरण दिया कि ई- कामर्स द्वारा मगाए जाने वाले उत्पादों को सुरक्षित रखने हेतु प्लास्टिक आदि का उपयोग किया जाता है जिससे पर्यावरण के लिए गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गयी है। भौतिकीय विज्ञान अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रोफेसर पी.के. बाजपेयी ने कहा कि जब तक हम अपशिष्ट पदार्थ को बहुमूल्य पदार्थ नहीं मानेंगे तब तक हम अपने राष्ट्र को स्वच्छ राष्ट्र नहीं बना पाएंगे। मुख्य अतिथि माननीया कुलपति प्रोफेसर अंजिला गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता का मतलब सिर्फ झाड़ू लगाना ही नहीं है बल्कि स्वच्छता का मतलब हमारे आस पास के वातावरण की स्वच्छता, मन की स्वच्छता, समाज की स्वच्छता तथा हमारे मानसिक स्वच्छता से सम्बन्धित है उन्होंने कहा कि यह स्वच्छता सिर्फ स्वच्छता पखवारा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, हमने जो शपथ लिया है उसको पूरा करना होगा। अपने उद्बोधन के पश्चात माननीया कुलपति महोदया ने स्वच्छता विषय पर हुए भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किया। कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया इसी सन्दर्भ में उन्होंने बताया कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालयों के स्वच्छता से सम्बन्धित लगातार दिशा निर्देश प्राप्त हो रहे हैं और अब स्वच्छता ऑडिट के लिए कार्य हेतु टीम बनाया जाना है। इस कार्यक्रम का सञ्चालन हिंदी विभाग के डॉ.रमेश गोहे ने किया एवं रिपोर्टिंग समाज विज्ञान अध्ययनशाला के स्वच्छता कोऑर्डिनेटर शिक्षा विभाग के श्री अजय समीर कुजूर द्वारा की गयी।







SHOT ON REDMI NOTE5 PRO  
MI DUAL CAMERA



SHOT ON REDMI NOTE5 PRO  
MI DUAL CAMERA



SHOT ON REDMI NOTE5 PRO  
MI DUAL CAMERA

